University in News on 04 June 2025

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय : साफ्टवेयर से सांख्यिकी की पढ़ाई

जासं • लखनऊ : सांख्यिकी... इस विषय की पूरी पढ़ाई डेटा आधारित है। साफ्टवेयर के किस टूल्स को परिस्थिति के अनुसार कौन सी एप्लीकेशन में प्रयोग करना है, यह समझना बहुत जरूरी होता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अनुभवी शिक्षक अपने छात्र-छात्राओं को विभिन्न साफ्टवेयर आदि के माध्यम से इसके लिए तैयार करते हैं।

सांख्यिकी विषय के पाठ्यक्रम को भारतीय सांख्यिकी सेवा (आइएसएस) परीक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनुसार अपडेट कर रखा है, जिससे तैयारी कर हर साल बड़ी संख्या में आइएसएस, आरबीआइ व अन्य क्षेत्रों में छात्र-छात्राएं चयनित होते हैं। 12वीं के बाद यदि आप स्नातक में सांख्यिकी विषय पढ़ना चाहते हैं तो लवि बेहतर विकल्प हो सकता है। इस डिग्री से डेटा विश्लेषक, सांख्यिकीविद्, अनुसंधानकर्ता, बिजनेस एनालिटिक्स में विशेषज्ञ भी बन सकते हैं।

स्थापना	शिक्षक	विद्यार्थी	पहले संस्थापक अध्यक्ष
1958	11	450	प्रो. बीपी अधिकारी

लखनऊ विश्वविद्यालय का सांख्यिकी विभाग

डेटा साइंस पर जोर, कई साफ्टवेयर से लैस है कंप्यूटर लैब

वर्तमान में डेटा साइंस का जोर है। इसलिए विभाग ने स्टैटिस्टिकल कम्प्यूटिंग, एडवांस मशीन लर्निंग, डेटा माइनिंग एंड एडवांस मशीन लर्निंग तकनीक, एआइ के साथ गुणात्मक डेटा विश्लेषक के पेपर को भी कोर्स में शामिल किया है। इससे छात्र स्पीच का विश्लेषण सीखते हैं। सांख्यिकी विभाग अपने सैंपलिंग के लिए जाना जाता है। इसमें शिक्षक सर्वे डिजाइन करने की तकनीक बताते हैं। फार्मूले सिखाते हैं, जिसे उनको न्यूमेरिकल में रियल लाइफ सिचुएशन के सर्वे में लगाकर हल करना होता है। थ्योरी के साथ छात्र-छात्राओं को सही टूल्स को परिस्थिति के अनुसार एप्लीकेशन में उपयोग में लाना बताते हैं। यही सबसे जरूरी होता है।

प्रसिद्ध पूर्व विद्यार्थी

- प्रवीण श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त सचिव और मुख्य सांख्यिकीविद्, भारत सरकार
- प्रो. शलभ, डीन एकेडमिक अफेयर्स, आइआइटी कानपुर
- अखिलेश रंजन श्रीवास्तव, आइएसएस टापर
- अग्रिमा रस्तोगी, आइएसएस
- ज्ञान दीप गुप्ता, आइएसएस
- सूर्यांश गुप्ता, आइएसएस
- सौम्या मिश्रा, आइएसएस
- अंकित यादव, आइएसएस
- अभिषेक शुक्ला, आइएसएस
- ओम शुक्ला, आइएसएस
- रेखा गुप्ता, आइएसएस
- अमित वर्मा, आइएसएस
- उत्कर्षा निषाद, आइएसएस
- शिवम सिंह, आइएसएस
- अभिजीत विश्वकर्मा, ग्रेड बी अधिकारी, आरबीआइ

'आइएसएस के अनुसार कराते हैं तैयारी'

असिस्टेंट प्रोफेसर डा. शांभवी मिश्रा बताती हैं, 'अब समाज डेटा बेस निर्णय की ओर बढ़ रहा है, जब तक किसी चीज में तथ्य नहीं होंगे, उसका अर्थ नहीं होगा। सांख्यिकी एक ऐसा विषय है जिसकी जरूरत हर क्षेत्र में है। इन सबको ध्यान में रखकर हमारा कोर्स अपडेट है। हम एमएस एक्सेल साफ्टवेयर, एसपीएसएस, आर लैंग्वेज, पायथन, स्टेटा, एमोस, टेस्ट एनालिटिक साफ्टवेयर भी पढ़ाते हैं। लाइसेंस दर्जन के साथ तीन कंप्यूटर लैब है, जिनमें 85 कंप्यूटर की सुविधा भी है। सांख्यिकी की पढ़ाई वाले भारतीय सांख्यिकी सेवा में अधिक रुचि दिखाते हैं। इसको ध्यान में रखकर कोर्स करिकुलम डिजाइन किया गया है, जिस पैटर्न में वहां प्रश्न पूछे जाते हैं, उसी तरह हम पढ़ाते हैं, पुराने प्रश्न पत्र भी हल कराते हैं। यही वजह है कि लगातार भारतीय सांख्यिकी सेवा (आइएसएस) में आल इंडिया टाप रैंक में यहां के छात्र-छात्राएं चयनित हुए हैं।

विभाग में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका

प्रो. शीला मिश्रा (डीन, साइंस), प्रो. शशि भूषण, प्रो. राजीव पांडेय, प्रो. मसूद सिद्दीकी, डा. रोहिनी यादव, डा. मुकेश कुमार सहित अन्य।

वीएचयू के बाद सिर्फ लवि में जैव सांख्यिकी

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाद नार्थन इंडिया में सिर्फ लखनऊ विश्वविद्यालय ही ऐसा संस्थान है जहां पीजी स्तर पर एम.एससी जैव सांख्यिकी की पढ़ाई होती है। 20 सीटों का यह एक विशेष कोर्स है, जिसमें प्रवेश के लिए कई गुना आवेदन आते हैं। इस डिग्री से केजीएमयू, एसजीपीजीआइ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सहित मेडिकल संस्थानों, फार्मास्युटिकल कंपनियों, प्रमुख एनजीओ में बायो स्टेटिस्टिशियन बनते हैं जो किसी नई दवा के मेडिकल डेटा विश्लेषण पर काम करते हैं। अब हर मेडिकल संस्थान में अनिवार्य रूप से बायोस्टेटिस्टिशियन की नियुक्ति होती है। उनकी देख रेख में शोध कार्य होते हैं।

छात्र-छात्राएं कोर्स के साथ सांख्यिकी से जुड़ी हर नई चीज से अपडेट रहें, हमारे शिक्षक इसका विशेष ध्यान रखते हैं। थ्योरी के साथ उन्हें प्रैक्टिकल नालेज देना हमारी प्राथमिकता होती है ताकि सही टूल्स को परिस्थिति के अनुसार एप्लीकेशन में उपयोग करना सीखें। हर नए टापिक को कोर्स में जोड़ कर पढ़ाया जाता है। वरिष्ठ पूर्व प्रतिष्ठित छात्रों के साथ-साथ इंडस्ट्री विशेषज्ञों को भी बुलाकर विद्यार्थियों को रूबरू कराते हैं।

-प्रो. मसूद सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, लवि।

छूटे विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा नौ को

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग बी.ए, बी.पी.एड और एम.पी.एड के छूटे छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा नौ जून को आयोजित करेगा। छात्र-छात्राएं निर्धारित तिथि पर सुबह छह बजे अपनी किट व फाइल के साथ विश्वविद्यालय के छत्रपति शिवाजी मैदान में उपस्थित हों। विभागाध्यक्ष प्रो. रुपेश कुमार ने सूचना जारी कर कहा है कि इसके बाद कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू छात्राओं ने नाव पर किया योग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संकाय की छात्राओं ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत कुड़िया घाट पर नौकाओं पर योगाभ्यास किया। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन योग विभाग समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव की अगुवाई में नाव पर ब्रह्म महूर्त में योगाभ्यास हुआ।

डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि नदी या किसी प्राकृतिक जल स्त्रोत में योग करने से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक लाभ कई गुना बढ़ जाता है। योगाभ्यास करने वाली छात्राओं में विभाग की मोनिका सिंह, अर्चना वर्मा आदि रहीं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संकाय की छात्राओं ने मंगलवार सुबह कुड़िया घाट पर नौकाओं पर योगाभ्यास किया।

छात्राओं ने नाव पर किया योग अभ्यास

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं ने मंगलवार को सुबह गोमती नदी स्थित कुड़िया घाट के पास नाव पर योग अभ्यास कर शिविर का आयोजन किया। संकाय के समन्वयक डा. अमरजीत यादव ने कहा कि नदी में नाव पर योग करने से मानसिक शांति व ज्ञान की गुणवत्ता बढ़ जाती है। नदी के किनारे की नेचर साउंड तनाव, चिंता और डिप्रेशन को कम करती है। बहते पानी की आवाज मन को शांत करती है और ध्यान को गहराई देती है। नदी के किनारे की हवा ताजी और आक्सीजन से भरपूर होती है। यहां पर प्राणायाम करने से फेफड़ों की शुद्धि और मन को शांति मिलती है। योगासनों से सूर्य की रोशनी से विटामिन डी और शरीर को ऊर्जा मिलती है। नाव पर सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शरीर को सूरज की ऊर्जा ग्रहण करने में मदद मिलती है। विभाग की मोनिका सिंह, अर्चना वर्मा, प्रीती मनुज, सुष्मिता सिंह, खुशबू गौतम, अमिता शुक्ला, संजना, अंकिता साहू, संजना कुशवाहा, रुचि धवन, पुष्पा, प्रगति तिवारी, वर्षा सहित अन्य छात्राओं ने योगासनों का मनमोहक प्रदर्शन किया।

लवि के योग विभाग की छात्राओं ने कुड़िया घाट के पास नाव पर योग किया • लवि

एपी सेन कालेज में भी हुआ योग: एपी सेन गर्ल्स डिग्री कालेज में उत्तर प्रदेश नान ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से मंगलवार को योग शिविर का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. एसपी सिंह व संस्थापक कृष्ण अवतार गुप्ता ने योग व उसके आसनों के विषय में छात्रओं को बताया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव, प्रोफेसर रश्मि श्रीवास्तव ने योग की उपयोगिता बताई।

NBT PAGE 5

तकनीक से कितने अपडेट हैं शिक्षक, बताएगा LU

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः नई शिक्षा नीति के तहत प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कैरिकुलम में बदलाव किया गया है। वोकेशनल विषयों से लेकर स्किल और तकनीकी ज्ञान को सिलेबस में शामिल किया गया है। ऐसे में अब उसके मुताबिक विश्वविद्यालयों के शिक्षक कितना अपडेट हैं, इस पर एलयू एक रिपोर्ट तैयार रहा है। शासन की ओर से मिले प्रॉजेक्ट के तहत प्रदेश के सभी विविके शिक्षकों को इस रिपोर्ट में शामिल किया जा रहा है। इसमें कैरिकुलम से लेकर विवि के सिस्टम और शिक्षा में तकनीक का कितना प्रयोग शिक्षक कर रहे हैं ये विंदु शामिल हैं। प्रॉजेक्ट इंचार्ज संगीता साहू हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

डॉ. अजय आर्या बने एलयूएए के महासचिव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में भूगर्भ विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. अजय आर्या को लखनऊ विश्वविद्यालय एथलीटिक एसोसिएशन (एलयूएए) का महासचिव बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की सहमति के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका आदेश जारी कर दिया। डॉ. आर्या पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्षों तक इस पद पर बने रहेंगे। गौरतलब है कि बीते दिनों डॉ. अजय आर्या ने विवि में भाषा विज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. माद्री काकोटी पर मुकदमा दर्ज किए जाने के विरोध में इस पद से इस्तीफा दे दिया था। (संवाद)

लखनऊ विश्वविद्यालय : फिजिकल एजुकेशन की छूटी परीक्षा 9 जून को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन विभाग में जिन छात्रों की प्रयोगात्मक परीक्षा किन्हीं कारणों से छूट गई है, वह दोबारा आयोजित की जा रही है। इसके लिए 9 जून की तिथि तय की गई है। परीक्षा देने वाले बीए, बीपीएड व एमपीएड के सभी छात्र तय तिथि को सुबह छह बजे विवि के शिवाजी ग्राउंड में उपस्थिति दर्ज कराएंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. रूपेश कुमार ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। (संवाद)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

छात्राओं ने कुड़िया घाट में नाव पर किया योगाभ्यास

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के द्वारा 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन के क्रम में योग विभाग की छात्राओं के द्वारा गोमती नदी के कुड़िया घाट में नाव पर योगाभ्यास किया गया, नाव पर योग शिविर का आयोजन प्रातः काल किया गया।

संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने कहा कि नदी या किसी प्राकृतिक जल स्त्रोत में योग करने से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक लाभ कई गुना बढ़ जाता है। नदी में नाव पर योग करने से मानसिक शांति व ज्ञान की गुणवत्ता बढ़ जाती है। नदी के किनारे की नेचर साउंड तनाव, चिंता और डिप्रेशन को कम करती है। नदी के बहते पानी की आवाज मन को शांत करती है और ध्यान को गहराई देती है। नदी के किनारे की हवा ताजी और ऑक्सीजन से भरपूर होती है यहां पर प्राणायाम करने से फेफड़ों की शुद्धि और मन को शांति मिलती है योगासनों से सूर्य की रोशनी से विटामिन डी और शरीर को ऊर्जा मिलती है। प्रकृति के करीब रहकर योग करने से शरीर, मन और आत्मा का तालमेल बेहतर होता है। नेगेटिव एनर्जी बाहर निकलती है पानी में नाव पर योग करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। नाव पर सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शरीर को सूरज की ऊर्जा को ग्रहण करने में मदद मिलती है। नदी का शांत किनारा और खूबसूरत वातावरण योग करने की प्रेरणा देता है और दिन की शुरूवात सकारात्मक और ऊर्जावान तरीके से होती है। योग विभाग की छात्राएं मोनिका सिंह, अर्चना वर्मा, प्रीती मनुज, सुष्मिता सिंह, खुशबू गौतम, अमिता शुक्ला, संजना, अंकिता साहू, संजना कुशवाहा, रुचि धवन, पुष्पा, प्रगति तिवारी, वर्षा इत्यादि छात्राओं के द्वारा योगासनों का मनमोहक प्रदर्शन किया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 7

गोमती नदी में नाव पर छात्रों ने किया जलयोग

लखनऊ विश्वविद्यालय चला रहा है योग अभियान, प्राकृतिक जलस्रोत के पास योग प्राणायाम से होते हैं कई लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन विभाग ने गोमती नदी में नावों पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के क्रम में योग विभाग की छात्राओं के द्वारा गोमती नदी के कुड़िया घाट में नाव पर योगाभ्यास किया गया।

संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि नदी या किसी प्राकृतिक जल स्रोत में योग करने से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक लाभ कई गुना बढ़ जाता है। नदी में नाव पर योग करने से मानसिक शांति व ज्ञान की गुणवत्ता बढ़ जाती है। नदी के किनारे की नेचर साउंड तनाव, चिंता और डिप्रेशन को कम करती है।

संकाय कोआर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि नदी के बहते पानी की आवाज मन को शांत करती है और ध्यान को गहराई देती है। नदी के किनारे की हवा ताजी और ऑक्सीजन से भरपूर होती है यहां पर प्राणायाम करने से फेफड़ों की शुद्धि और मन को शांति मिलती है। योगासनों से सूर्य की रोशनी से विटामिन डी और शरीर को ऊर्जा मिलती है। योग विभाग की छात्राएं मोनिका सिंह, अर्चना वर्मा, प्रीती मनुज, सुष्मिता सिंह, खुशबू गौतम, अमिता शुक्ला, संजना, अंकिता साहू, संजना कुशवाहा, रुचि धवन, पुष्पा, प्रगति तिवारी, वर्षा इत्यादि छात्राओं के द्वारा योगासनों का मनमोहक प्रदर्शन किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के योग केंद्र में योग सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों, छात्रों और गैरशिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया। योग सत्र का संचालन एनएसएस समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा और रोवर्स रेंजर्स समन्वयक मो. शारिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. हसन मेहदी ने विभिन्न योग आसनों का अभ्यास कराया। इस दौरान प्रतिभागियों ने योग आसनों का अभ्यास किया और दैनिक जीवन में योग के लाभ को समझा। योग के विभिन्न आसनों के अभ्यास से शरीर में लचीलापन, शांति और ध्यान की क्षमता में वृद्धि होती है, जो जीवन की चुनौतियों से निपटने में मददगार सिद्ध होती है।

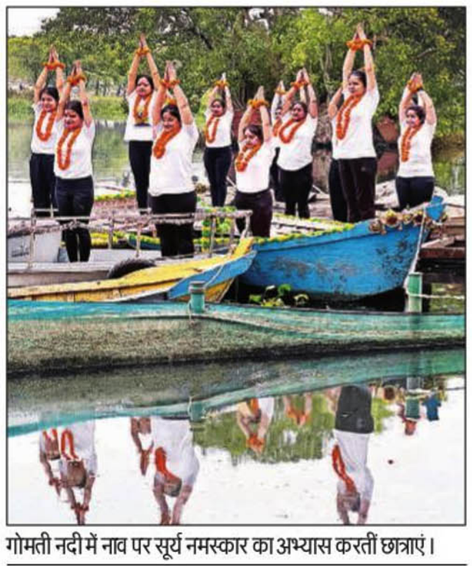

गोमती नदी में नाव पर सूर्य नमस्कार का अभ्यास करतीं छात्राएं।

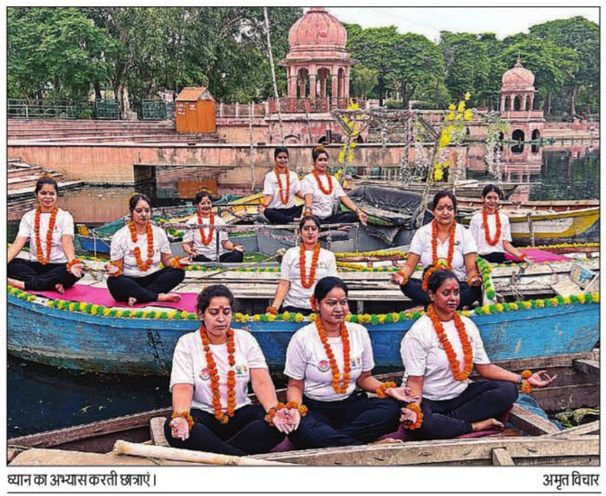

ध्यान का अभ्यास करती छात्राएं। अमृत विचार